सामाजिक विज्ञान

(इतिहास)

अध्याय-1: कैसे, कब और कहाँ

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तारीख़ें क्यों महत्पूर्ण होती है

अतीत में चीजें किस तरह की थीं और उनमें क्या बदलाव आए हैं। जैसे हम अतीत और वर्तमान की तुलना करते हैं, हम समय का ज़िक्र करने लगते हैं। हम " पहले " और " बाद में " की बात करने लगते हैं। – रॉबर्ट क्लाइव ने जेम्स रेनेल को हिंदुस्तान का नक़्शे तैयार करने का काम सौंपा था। भारत पर अंग्रेजों की विजय स्थापित करने की प्रक्रिया में नक़्शे तैयार था। भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल वॉरेन हेसिटंग्स के शासन से शुरू होते है और आखिरी वायसरॉय, लॉर्ड माउंटबैटन के साथ साथ खत्म होते हैं।

एक उदाहरण से समझते है - भारत में ब्रिटिश इतिहासकारों ने जो इतिहास लिखे उनमें हरेक गवर्नर-जनरल का शासनकाल महत्वपूर्ण है। ये इतिहास प्रथम गवर्नर-जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के शासन से शुरू होते थे और आखिरी वायसरॉय, लॉर्ड माउंटबैटन के साथ खत्म होते थे। अलग-अलग अध्यायों में हम दूसरे गवर्नर-जनरलों - हेस्टिंग्स, वेलेज़्ली, बेंटिंक, डलहौज़ी, - कैनिंग, लॉरेंस, लिटन, रिपन, कर्जन, हार्डिंग, इरविन - के बारे में भी पढ़ते हैं। इस इतिहास में गवर्नर-जनरलों और वायसरॉयों का कभी न ख़त्म होने वाला सिलसिला ही छाया रहता था। इतिहास की इन किताबों में सारी तारीखों का महत्व इन अधिकारियों, उनकी गतिविधियों, नीतियों, उपलब्धियों के आधार पर ही तय होता था। यह ऐसे था मानो इन लोगों के जीवन के बाहर कोई ऐसी चीज़ नहीं थी जिसे जानना महत्वपूर्ण हो। इन लोगों के जीवन का क्रम ब्रिटिश भारत के इतिहास में अलग-अलग अध्यायों का विषय बन जाता था।

हम अवधियाँ कैसे तय करते हैं

1817 में स्कॉटलैंड के अर्थशास्त्री और राजनितिक दार्शनिक **जेम्स मिल** ने तीन विशाल खंडो में ए हिस्ट्री ऑफ़ ब्रिटिश इंडिया (ब्रिटिश भारत का इतिहास) नामक एक किताब लिखी। इस किताब में उन्होंने भारत के इतिहास को हिंदू, मुस्लिम, और ब्रिटिश, इन तीन काल खंडो में बाँटा था। इतिहास को हम अलग-अलग काल खंडो में बाँटने की कोशिश क्यों करते हैं इसकी भी एक वजह है। हम एक दौर की खासियतों, उसके केंद्रीय तत्वों को पकड़ने की कोशिश करते हैं। इसलिए ऐसे शब्द महत्वपूर्ण हो जाते हैं जिनके सहारे हम उस समय को बाँटते हैं। ये अवधि से दूसरी अवधि के बीच आए बदलावों का क्या महत्व होता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मिल

- मिल को लगता था की सारे एशियाई समाज सभ्यता के मामले में यूरोप से पीछे हैं। इतिहास की उनकी समझदारी ये थी की भारत में अंग्रेजों के आने से पहले यहाँ हिंदू और मुसलमान तानाशाहों का ही राज चलता था। यहाँ चारों ओर केवल धार्मिक बैर, जातिगत बंधनो और अंधविश्वासों का ही बोलबाला था। मिल की राय में ब्रिटिश शासन भारत को सभ्यता की राह पर ले जा सकता था। इस काम के लिए जरूरी था की भारत में यूरोपीय शिष्टाचार, कला, संस्थानों और कानूनों को लागू किया जाए। मिल ने तो यहाँ तक सुझाव दिया था की अंग्रेजों को भारत के सारे भूभाग पर कब्जा क्र लेना चाहिए ताकि भारतीय जनता को ज्ञान और सुखी जीवन प्रदान किया जा सके।
- इतिहास की इस धारणा में अंग्रेजी शासन प्रगति और सभ्यता का प्रतीक था अंग्रेजों द्वारा सुझाए गए वर्गीकरण से अलग हटकर इतिहासकार भारतीय इतिहास को आमतौर पर ' **प्राचीन '' मध्यकालीन तथा 'आधुनिक** 'काल में बाँटकर देखते हैं। पश्चिम में आधुनिक काल को विज्ञान, तर्क, लोकतंत्र, मुक्ति और समानता जैसी आधुनिकता की ताकतों के विकास का युग माना जाता है। अंग्रेजों के शासन वाले युग को ' औपनिवेशिक ' युग कहते हैं.

औपनिवेशिक क्या होता है

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अंग्रेजों ने हमारे देश को जीता और स्थानीय नवाबों और राजाओं को दबाकर अपना शासन स्थापित किया।उन्होंने अर्थव्यवस्था व समाज पर नियंत्रण स्थापित किया,अपने सारे खर्चों को निपटाने के लिए राजस्व वसूल किया। ब्रिटिश शासन के कारण यहाँ की मूल्यों-मान्यताओं और पसंद-नापसंद, रीती-रिवाज व तौर-तरीकों में बदलाव आए। जब एक देश पर दूसरे देश पर दूसरे देश के दबदबे से इस तरह के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सासंकृतिक बदलाव आते हैं तो इस प्रक्रिया को औपनिवेशीकरण कहा जाता है,

औपनिवेशिक साम्राज्य की प्रकृति और अवस्थाएँ

जबकि उपनिवेशवाद का मुख्य उद्देश्य साम्राज्यिक समाज को समृद्ध करने हेतु उपनिवेश का शोषण और उसके आधिशेष का विनियोजन (उसको कब्जे में लेना) है, उपनिवेशवाद के स्वभाव को इन शब्दों में सबसे अच्छी तरह समझा जा सकता है कि यह किस प्रकार कार्यान्वित किया जाता है। उपनिवेश का शोषण करने के तरीके विभिन्न चरणों में पूरे हुए। ये चरण या तो सामान्य प्रवृत्ति के रूप में अथवा यंत्रवाद व करणत्वों के साथ संमिश्रित प्रवृत्ति के रूप में देखे जा सकते हैं।

इतिहास लिखने के लिए इतिहासकार कौन से स्त्रोतों का इस्तेमाल करते है।

प्रशासन अभिलेख तैयार करता है

अभिलेख पत्थर अथवा धातु जैसी अपेक्षाकृत कठोर सतहों पर उत्कीर्ण किये गये पाठन सामाग्री को कहते है। प्राचीन काल से इसका उपयोग हो रहा है। शासक इसके द्वारा अपने आदेशो को इस तरह उत्कीर्ण करवाते थे, ताकि लोग उन्हे देख सके एवं पढ़ सके और पालन कर सके। आधुनिक युग मे भी इसका उपयोग हो रहा है।

अंग्रेजी शासन द्वारा तैयार किए गए सरकारी रिकॉर्ड इतिहासकारों का एक महत्वपूर्ण साधन होते हैं। अंग्रेजों को यह भी लगता था कि तमाम अहम दस्तावेजों और पत्रों को सँभालकर रखना जरूरी है।महत्वपूर्ण दस्तावेजों को बचाकर रखने के लिए अभिलेखखागार और संग्रहालय जैसे संस्थान भी बनाए गए।अंग्रेजों का विश्वास था कि किसी देश को अच्छी तरह शासन चलाने के लिए उसको सही ढंग से जानना जरूरी होता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

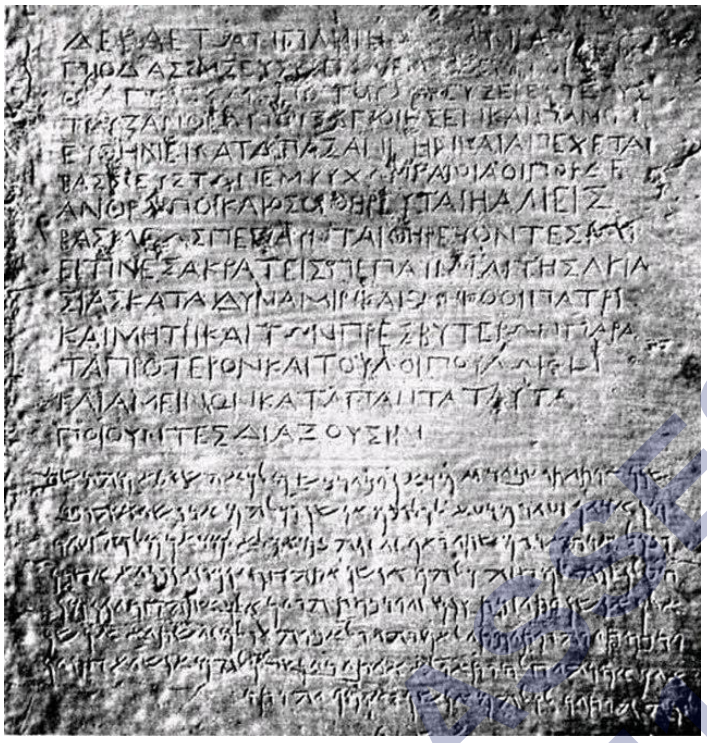

सर्वेक्षण का बढ़ता महत्व

1. तलेक्षण द्वारा मानचित्र के सभी बिन्दुओं या वस्तुओं के समोच्च बिन्दु ज्ञात कर उससें समोच्च रेखाएं भी अंकित की जा सकती हैं। इसी प्रकार अनेक प्रकार के सामाजिक एवं भौतिक कारणों का निर्धारण एवं प्रदर्शन सर्वेक्षण द्वारा होता है
2. उन्नीसवीं सदी की शुरुआत तक पूरे देश का नक्शा तैयार करने के लिए बड़े-बड़े सर्वेक्षण किए जाने लगे। गांवों में राजस्व सर्वेक्षण किए गए। इन सर्वेक्षणों में धरती की सतह, मिट्टी की गुणवत्ता, वहाँ मिलने वाले पेड़ -पौधों और जीव-जंतुओं तथा स्थानीय इतिहासों व फैसलों के पता लगाया जाता था।
3. जनगणना के जरिए भारत के सभी प्रांतो में रहने वाले लोगों की संख्या, उनकी जाति, इलाके और व्यवसाय के बारे में जानकारीयाँ इकट्ठा की जाती थीं।इसके अलावा वानस्पतिक सर्वेक्षण, प्राणी वैज्ञानिक सर्वेक्षण, पुरातत्वीय सर्वेक्षण, मानवशास्त्रीय सर्वेक्षण, वन सर्वेक्षण आदि कई दूसरे सर्वेक्षण भी किए जाते थे।
4. सर्वेक्षण पद्धति में अनुसंधानकर्ता अपने अध्ययन विषय के सीधे संपर्क में आता है ऐसा इसलिए होता है कि इस विधि के अंतर्गत संरक्षण करता को अपने विषय से संबंधित परिस्थितियों तथा व्यक्तियों से सीधे तौर पर तथ्यों को एकत्रित करना पड़ता है और उद्देश्य की पूर्ति के लिए अनुसंधानकर्ता को उनके साथ निकट घनिष्ठ संबंध स्थापित करना पड़ता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

है। सर्वेक्षण की सफलता इस बात पर निर्भर है कि अनुसंधानकर्ता अपने अध्ययन विषय से संबंधित परिस्थितियों तथा व्यक्तियों से सीधा संपर्क स्थापित करने में कितना सफल हो सकता है।

5. सर्वेक्षण पद्धति में किसी विषय के प्रति विशिष्ट झुकाव की संभावना कम हो जाती है। इसका कारण यह है कि इस पद्धति के अंतर्गत अनुसंधानकर्ता अपने विषय से संबंधित आंकड़ों तथा तथ्यों को अनेक यथार्थ रूप में एकत्रित करने का प्रयत्न करता है।

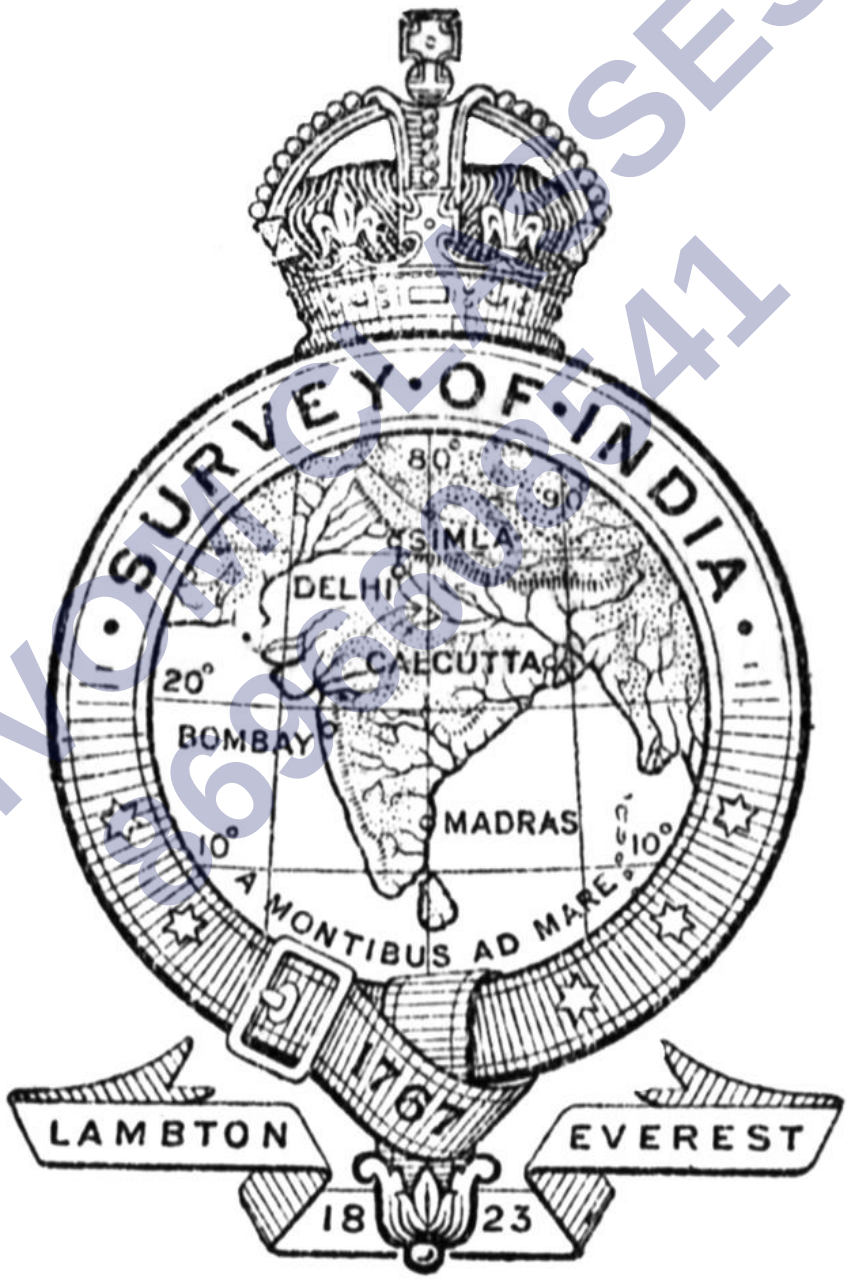

अधिकृत रिकॉर्ड्स से क्या पता चलता

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जैसे-जैसे छपाई की तकनीक फैली, अखबार छपने लगे, और विभिन्न मुद्दों पर जनता में बहस भी होने लगी। नेताओं और सुधारकों ने अपने विचारों को फैलाने के लिए लिखा, कवियों और उपन्यासकारों ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए लिखा।

SHIVOM CLASSES
8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 8)

प्रश्न 1 सही और गलत बताएँ:-

1. जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को हिंदू , मुसलिम, ईसाई, तीन काल खंडों में बाँट दिया था।
2. सरकारी दस्तावेजों से हमें से समझने में मदद मिलती है कि आम लोग क्या सोचते हैं।
3. अंग्रेजों को लगता था कि सही तरह शासन चलाने के लिए सर्वेक्षण महत्वपूर्ण होते हैं।

उत्तर –

1. सही
2. गलत
3. सही

प्रश्न 2 जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को जिस तरह काल खंडों में बांटा है, उसमें क्या समस्याएँ है ?

उत्तर – 1817 में स्कॉटलैंड के अर्थशास्त्री और राजनीतिक दार्शनिक तीन विशाल खंडों में 'ए हिस्ट्री ऑफ़ ब्रिटिश इंडिया' नामक एक किताब लिखी। इस किताब में उन्होंने भारत के इतिहास को हिंदू , मुसलिम और ब्रिटिश इन तीन काल खंडों में बाँटा था। काल खंडों के इस निर्धारण को ज्यादातर लोगों ने मान भी लिया। लेकिन जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को जिस तरह काल खंडों में बांटा है, उसमें निम्नलिखित समस्याएँ आई:-

(क) इतिहास के किसी दौर को "हिंदू काल" या "मुस्लिम काल" का नाम नहीं दिया जा सकता, क्योंकि इन सारे दौरों में कई तरह के धर्म एक साथ प्रचलित थे। उदाहरण के लिए भारत में हिंदू तथा मुस्लिम धर्म के साथ-साथ बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म भी प्रचलित रहे।

(ख) किसी युग को केवल उस समय के शासकों के धर्म के हिसाब से तय करना भी उचित नहीं है। इसका अर्थ यह है कि अन्य लोगों के जीवन तथा रीति – रिवाजों का कोई महत्व नहीं था। वैसे भी

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्राचीन भारत में सभी शासकों का धर्म भी एक नहीं था। गुप्त शासक हिंदू धर्म को मानते थे तो अशोक तथा कनिष्क बौद्ध धर्म के अनुयायी थे।

प्रश्न 3 अंग्रेजों ने सरकारी दस्तावेजों को किस तरह सुरक्षित रखा ?

उत्तर – अंग्रेजों को यह लगता था कि तमाम अहम दस्तावेजों और पत्रों को संभालकर रखना जरूरी है। लिहाजा उन्होंने सभी शासकीय संस्थानों में अभिलेख कक्ष भी बनवा दिए। तहसील के दफ्तर, कलेक्टरेट, कमिश्नर के दफ्तर, प्रांतीय सचिवालय तथा कचहरी सभी के अपने रिकॉर्ड रूम होते थे। महत्वपूर्ण दस्तावेजों को बचाकर रखने के लिए अभिलेखागार और संग्रहालय जैसे संस्थान भी बनाए गए। उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में प्रशासन की एक शाखा से दूसरी शाखा के पास भेजे गए पत्रों और ज़ापनों को आप आज भी अभिलेखागारों में देख सकते हैं। वहाँ आप जिला अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए नोट्स और रिपोर्ट पढ़ सकते हैं। इस समय तक इन दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक नकलें भी बनाई जाने लगी। इन्हें बहुत ही सुंदर ढंग से हाथ से लिखा जाता था। उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक छपाई की तकनीक आ जाने से सरकारी विभागों की कार्यवाइयों के दस्तावेजों की कई – कई प्रतियाँ बनाई जाने लगीं।

प्रश्न 4 इतिहासकार पुराने अखबारों से जो जानकारी जुटाते हैं वह पुलिस की रिपोर्टों में उपलब्ध जानकारी से किस तरह अलग होती है ?

उत्तर – इतिहासकार पुराने अख़बारों से जो जानकारी जुटाते है, वह किसी घटना की लगभग सच्ची जानकारी होती है।

जैसे :- कही सरकार विरोधी हड़ताल हुई, दंगा हुआ तो उसके लिए सरकार की जो नीति उत्तरदायी रही होगी। अखबार उसी नीति को ही दोष देती है। इसके विपरीत पुलिस की रिपोर्टों में इसके लिए हड़तालियों तथा दंगा करने वालों को ही दोषी ठहराया जाता है। इन रिपोर्टों में सरकार को कोई दोष नहीं दिया जाता। इसका कारण यह है कि पुलिस सरकार के अधीन होती है और वह सरकार के इशारे पर ही काम करती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)